उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

संस्कृत प्रतिभा खोज 2025

जनपदस्तरीय संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हेतु आदर्श प्रश्नोत्तर

भाषा दक्षता

निर्णायकों के लिए निर्देशः-

1. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन नियम निर्देशिका के अनुसार किया जाए। प्रतिभागियों को प्रतियोगिता आरम्भ करने के पूर्व इस प्रतियोगिता के नियम से छात्रों को अवगत करा दिया जाय।
2. गोलाकार में बैठे प्रत्येक छात्र से एक समान प्रश्न पूछे जाएं। किसी नवीन बिंदु के प्रश्नों का आरम्भ गोलाकार में बैठे प्रथम छात्र से किया जाए ।
3. प्रश्नोत्तरी में लिखित प्रश्न सरल से कठिन की ओर ले जाता है। कठिन प्रश्न कम पड़ जाने पर निर्णय करने हेतु स्वविवेक से अथवा उपस्थित छात्रों की पुस्तक से प्रश्न बनाते हुए अवशिष्ट प्रतिभागी से एक समान प्रश्न पूछा जाय।
4. निर्णायक द्वारा प्रत्येक राउंड के बाद प्रतिभागी को अबतक कुल अवसर समाप्ति की सूचना दी जाय। अभ्युक्ति में उसके नाम के सम्मुख एक अवसर समाप्ति सूचक (X) चिह्न लगाया जाय ।

संस्कृत भाषा दक्षता

वर्णमाला ज्ञान

प्रश्न के लिए उदाहरण

प्र1: संस्कृत में कितने स्वर होते हैं?

उत्तर: 9

प्र2: "ष" कौन से प्रकार का वर्ण है?

उत्तर: ऊष्म व्यञ्जन

प्र3: "क" किस वर्ग में आता है?

उत्तर: क-वर्ग

प्र4: अनुस्वार और विसर्ग को किस प्रकार का वर्ण माना जाता है?

उत्तर: अयोगवाह

प्रश्न- वर्णमाला में वर्ण का भेद बताइये ? वर्ण कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर- वर्णमाला में वर्ण तीन प्रकार के होते हैं । स्वर, व्यंजन तथा अयोगवाह ।

प्रश्न- ह्रस्व स्वर कौन-कौन है ?

उत्तर- अ इ उ ऋ लृ

प्रश्न- दीर्घ स्वर वर्ण कौन-कौन है ?

उत्तर- आ ई ऊ ॠ ए ऐ ओ औ

प्रश्न- ए ह्रस्व स्वर है अथवा दीर्घ स्वर ?

उत्तर- दीर्घ स्वर

प्रश्न- अनुस्वार तथा विसर्ग कौन सा वर्ण है, स्वर, व्यंञ्जन या अयोगवाह

उत्तर- अयोगवाह

प्रश्न - ठ वर्ण किस वर्ग का वर्ण है ?

उत्तर- ठ वर्ण टवर्ग का वर्ण है।

प्रश्न- स्वर के कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर – तीन

प्रश्न- स्वर के तीनों भेद का नाम बताइये ?

उत्तर – ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत ।

प्रश्न- वर्ग के पंचम वर्ण कौन-कौन हैं ?

उत्तर – ञ, म, ङ, ण, न

मात्राओं का सही ज्ञान (मात्राबोध)

प्रश्न- ह्रस्व स्वर वर्ण के उच्चारण में कितनी मात्रा का समय लगता है?

उत्तर- एक मात्रा

प्रश्न- किस स्वर वर्ण के उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है

उत्तर- दीर्घ स्वर वर्ण के उच्चारण में ।

प्रश्न- विसर्ग के उच्चारण में कितनी मात्रा का समय लगता है?

उत्तर- अर्ध मात्रा (आधी मात्रा)

प्रश्न- व्यञ्जन वर्ण के उच्चारण में कितनी मात्रा का समय लगता है?

उत्तर- अर्ध मात्रा (आधी मात्रा)

⏭ अगला चरण – "वर्तनी ज्ञान"

वर्तनी ज्ञान (वर्ण विच्छेद) सहित अंतिम वर्ण को बोलना ।

जैसे - कमल = क् + अ + म् + अ + ल् + अ (अकारान्त)

चार तथा पाँच वर्णों वाले शब्द

1. प्रश्न: "गज" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: ग् + अ + ज् + अ (अकारान्त)

2. प्रश्न: "नदी" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: न् + अ + द् + ई (ईकारान्त)

3. प्रश्न: "मित्र" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: म् + इ + त् + र् + अ (अकारान्त)

4. प्रश्न: "वायु" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: व् + आ + य् + उ (उकारान्त)

5. प्रश्न: "सूर्य" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: स् + उ + र् + य् + अ (अकारान्त)

6. प्रश्न: "कवि" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: क् + अ + व् + इ (इकारान्त)

7. प्रश्न: "विद्या" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: व् + इ + द् + य् + आ (आकारान्त)

8. प्रश्न: "पुस्तक" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ (अकारान्त)

9. प्रश्न: "भानु" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: भ् + आ + न् + उ (उकारान्त)

10. प्रश्न: "अग्नि" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: अ + ग् + न् + इ (इकारान्त)

11. प्रश्न: "चन्द्र" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: च् + अ + न् + द् + र् + अ (अकारान्त)

12. प्रश्न: "सिंह" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: स् + इ + ं + ह् + अ (अकारान्त)

13. प्रश्न: "फल" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: फ् + अ + ल् + अ (अकारान्त)

14. प्रश्न: "दर्शन" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: द् + अ + र् + श् + अ + न् (नकारान्त)

15. प्रश्न: "शक्ति" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

उत्तर: श् + अ + क् + त् + इ (इकारान्त)

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अन्य शब्दों का वर्ण विच्छेद तथा अंतिम वर्ण पूछें-

भाषा । यथा । भाव । इति । पद । ननु । अपि । एव । भीति । मत । एषा। इव । कृति । एला । काल । तथा । देश ।

छः वर्णों वाले शब्द

प्रश्न- " सूचिका" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - स् + ऊ + च् + इ + क् + आ (आकारान्त)

प्रश्न- "कैतव" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – क् + ऐ + त् + अ+ व् + अ (अकारान्त)

प्रश्न- " तुलसी" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - तुलसी = त्+ उ+ल्+ अ+ स्+ ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "चषकः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – च् + अ + ष् + अ + क् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "सौचिकः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –स् + औ + च् + इ + क् + अ + विसर्ग

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अन्य शब्दों का वर्ण विच्छेद तथा अंतिम वर्ण पूछें-

तथापि । केवल । सरल । लेखक । भूगोल । समिति । विदेश । विविध । कारण । पाठन । सुगम । कौशल । भारत । सहज । मौलिक । महती । भौतिकी । पतित । दुरूह । भूलेख ।

छः से अधिक वर्णों वाले शब्द

प्रश्न- "दीपावली" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर -दीपावली = द् + ई + प् + आ + व् + अ + ल् + ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "मरीचिका" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – म् + अ + र् + ई + च् + इ + क् + आ (आकारान्त)

संकेत- वैदेशिक । गणबोध । सरलता । राजभाषा । अवधारणा । अवधान । अनुयायी । परिशीलन । अनुवाद । अनुभव । विपरीत । लघुकथा । अनूदित ।

संयुक्ताक्षर वाले शब्द

प्रश्न- "श्रृगाल" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - श्+ऋ+ग्+आ+ल्+अ (अकारान्त)

प्रश्न- "विद्यालयः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "बलीवर्दः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ब् + अ + ल् + ई + व् + अ + र् + द् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "वृद्धः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – व् + ऋ + द् + ध् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "स्यूतः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए

उत्तर – स् + य् + ऊ+ त् + अ + विसर्ग

उत्तर – श् + आ + म् + भ् + अ + व् + ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "क्रमेलकः" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – क् + र् + अ + म् + ए + ल् + अ + क् + अ + विसर्ग (अकारान्त)

संकेत- दुर्लभ । उद्योग । प्रसार । सङ्केत । समग्र । सम्बद्ध । पाठ्यक्रम । शिक्षा । संस्कृत । आवृत्ति। भ्रम। आज्ञा। द्वार। क्रिया। वाक्य। आसन्दः। पृथ्वी। मात्रा। सौन्दर्य। संस्कृत। क्षिप्र। ज्योत्स्ना। उज्ज्वल। कार्तिक। समृद्धि। किञ्जल्क। शाण्डिल्य। शाम्भवी।

वर्णक्रम ज्ञात करना- प्रत्येक छात्र से उत्तरोत्तर शब्द पूछा जाय।

निर्णायक किसी शब्द का चयन करेंगे। उदाहरण: **"सम्बद्ध"** । प्रत्येक छात्र को क्रमशः एक-एक वर्ण बोलने के लिए कहा जाएगा।

उदाहरण के तौर पर- प्रथम छात्र: **स्** - द्वितीय छात्र: **अ** - तृतीय छात्र: **म्** - चतुर्थ छात्र: **ब्** - पांचवा छात्र: **द्** - छठा छात्र: **ध्** - इसी प्रकार आगे शब्दों के लिए प्रक्रिया दोहराई जाएगी।

1. स्थापित → स् + थ् + आ + प् + इ + त्
2. निपुणता → न् + इ + प् + उ + ण् + त् + आ
3. स्थान → स् + थ् + आ + न् + अ
4. मुख्य → म् + उ + ख् + य् + अ

संकेत-

हतोत्साहित, धनराशि, चिकित्सा, प्रतिरोधक, निर्माण, उच्चमाध्यमिक, उत्तरोत्तर, पाठ्यसामग्री, दृष्टिकोण, पत्रकारिता, शैक्षणिक, निम्नलिखित, रासायनिक, दुर्गन्ध, चिकित्सकीय ।

मात्राबोध ज्ञात करना

प्रश्न- पुरुष शब्द के रु में ह्रस्व उकार की मात्रा है या दीर्घ ऊकार की मात्रा ?

उत्तर - पुरुष शब्द के रु में ह्रस्व उकार की मात्रा है ।

1. कुशल → "कु" में ह्रस्व उकार की मात्रा है।
2. गुरु → "रु" में ह्रस्व उकार की मात्रा है।
3. सुर → "सु" में ह्रस्व उकार की मात्रा है।
4. मूर्ति → "मू" में दीर्घ ऊकार की मात्रा है।
5. भूत → "भू" में दीर्घ ऊकार की मात्रा है।

संकेत-

"रु" वर्ण वाले शब्द:

1. रुचि (आकर्षण, प्रीति) 2. रूपक (दृष्टांत, प्रतीक) 3. रुचिर (सुंदर, मनोहर) 4. रुक्म (सोना) 5. रुचिमान (आकर्षक) 6. रुच्य (सुखदायक) 7. रुज (पीड़ा) 8. रुद्र (शिव का नाम, प्रलयकारी) 9. रुत (आवाज, स्वर) 10. रुदन (रोना) करुणा।

"रू" वर्ण वाले शब्द:

1. रूप (आकार, स्वरूप) 2. रूढ़ (विस्तृत, प्रचलित) 3. रूपवान (सुंदर) 4. रूपश्री (सौंदर्य) 5. रूक्ष (शुष्क, कठोर) 6. रूचिका (अभिरुचि) 7. रूच्य (पसंदीदा) 8. रूह (चढ़ना, बढ़ना) 9. रूढिस्थ (स्थिर) 10. रूप्य (चाँदी) रूपक, मरुभूमि।

व्यञ्जनान्त वर्ण

प्रश्न- "राजन्" यह शब्द किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - राजा = र् + आ + ज् + अ+ न् (नकारान्त)

प्रश्न- "वाच्" यह शब्द किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर -वाच् = व् + आ + च्

प्रश्न- "गृहम्" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ग् + ऋ + ह् + अ + म् (मकार)

प्रश्न- "हृदयम्" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –ह् + ऋ + द् + अ + य् + अ + म् (मकार)

प्रश्न- "ह्रस्वः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ह् + र् + स् + व् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "जगत्" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ज् + अ + ग् + अ + त् (तकार)

प्रश्न- "शर्मिष्ठा" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – श् + अ + र् + म् + इ + ष् + ठ् + आ (आकारान्त)

प्रश्न- "काण्डम्" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – क् + आ + ण् + ड् + अ + म् (मकार)

प्रश्न- "पर्वन्" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – प् + अ + र् + व् + अ + न् (नकार)

अन्य विविध शब्द तथा पद

प्रश्न- "सांस्कृतिकी" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – स् + आ + अनुस्वार + स् + क् + ऋ + त् + इ + क् + ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "चित्राणि" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – च् + इ + त् + र् + आ + ण् + इ (इकारान्त)

प्रश्न- "कारण्डवाः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – क् +आ + र् + अ + ण् + ड् + अ + व् + आ + विसर्ग (आकारान्त)

प्रश्न- "अन्ये" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – अ + न् + य् + ए (एकारान्त)

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अधोलिखित शब्दों, पदों का वर्ण विच्छेद तथा मात्रा का वर्ण पूछें-

पयः । फलम् । नगरम् । जलम् । नीरम् । पयः । लकार । कारक । विभाषा । अवलेहः । चणकः । शीतल । आढकी। आलुः । अमृती । एला । कन्दुः । तुम्बी । अलाबुः । शाकम् । अभिनवः । तिलः । कफघ्नी । कलाकन्दः । अम्लम् । अङ्ग । कृशरा। किलाटः । देवभाषा । भाषा । आदि। विशेष । पायसम् । दुग्धपूपिका । गोधूमः । घृतम् । पुष्पम् । विभाषा। छन्द । मृत्यु । वृत्ति । श्रुति । मिथ्या । ग्रन्थ । आर्ष । कर्म । अनर्थ । कर्ता । ह्रस्व । प्रथम । उत्तर । तिष्य । पुष्य । सर्पिः । उत्सर्ग । भ्रम। विभक्ति । मध्यम । उत्तम ।

स्वर व्यञ्जन का ज्ञान

प्रश्न- व्यथा पद में कितने स्वर वर्ण तथा कितने व्यञ्जन वर्ण हैं ?

उत्तर- व्यथा पद में 2 स्वर वर्ण तथा 3 व्यञ्जन वर्ण हैं ।

प्रश्न- धरातल पद में कितने दीर्घ स्वर वर्ण तथा कितने ह्रस्व स्वर वर्ण हैं ?

उत्तर- धरातल पद में 1 दीर्घ स्वर वर्ण तथा 3 ह्रस्व स्वर वर्ण हैं ।

प्रश्न- संशय पद में कितने स्वर वर्ण तथा कितने व्यञ्जन वर्ण हैं ?

उत्तर- संशय पद में 3 स्वर वर्ण तथा 3 व्यञ्जन वर्ण हैं ।

प्रश्न- कीर्तन पद में कौन दीर्घ स्वर वर्ण हैं ?

उत्तर- कीर्तन पद में ईकार दीर्घ स्वर वर्ण हैं ।

प्रश्न - "विराम" शब्द में कितने स्वर वर्ण और कितने व्यंजन वर्ण हैं?

उत्तर- "विराम" शब्द में 3 स्वर वर्ण तथा 3 वर्ण व्यंजन वर्ण हैं।

प्रश्न - "अनुकूल" शब्द में कितने ह्रस्व स्वर वर्ण हैं?

स्वविवेक से अन्य पूछे।

शुद्ध/ अशुद्ध वर्तनी । ध्वनि साम्य शब्द परिचय

वृहस्पति शब्द शुद्ध है या बृहस्पति। शुद्ध शब्द बृहस्पति

वर्षा ✔ बर्षा	वस्त्र ✔ बस्त्र	विवाह ✔ बिबाह
वर्षा ✔ बर्षा वर्षा	विद्या ✔ बिद्या विद्या	वचन ✔ बचन वचन
विजय ✔ बिजय	वन ✔ बन	वायु ✔ बायु
वन्दना ✔ बन्दना	विज्ञान ✔ बिग्यान विज्ञान	वर्ण ✔ बर्ण वर्ण
वृक्ष ✔ बृक्ष	वाणी ✔ बाणी	विकास ✔ बिकास
विनय ✔ बिनय	विभा ✔ बिभा	वासना ✔ बासना
वार्ता ✔ बार्ता	वास्तु ✔ बास्तु	व्रत ✔ ब्रत
वैद्य ✔ बैद्य	वंश ✔ बंश	वेद ✔ बेद
विश्व ✔ बिश्व	विषय ✔ बिषय	विशेष ✔ बिशेष
विहार ✔ बिहार	विलोम ✔ बिलोम	विनोद ✔ बिनोद

अधोलिखित शब्द ब अक्षर से आरंभ होते हैं-

बालकः, बालिका, बलम्, बुद्धिः, बन्धुः, ब्रह्मा, बन्धनम्, बाणः, बर्हिः, ब्रह्मविद्या, बाष्पः, बाष्पिलः, बृहत्, ब्रह्माण्डम्, बकः, बद्धः, बृंहणम्

"श" अक्षर वाले संस्कृत शुद्ध शब्दः

1. वैशाखः, 2. परिश्रमः, 3. विशुद्धिः, 4. प्रशंसा, 5. अवश्यम्, 6. उपशमः, 7. निष्कर्षः, 8. विशेषः, 9. आशयः, 10. अभिषेकः, 11. शिष्यः, 12. प्रपञ्चशास्त्रम्, 13. अनुशासनम्, 14. वाक्यविश्लेषणम्, 15. शिक्षणम्।

✅ **"स" अक्षर वाले संस्कृत शुद्ध शब्दः**

1. दर्शनम्, 2. आसनम्, 3. प्रसादः, 4. विस्मयः, 5. नासिका, 6. वसन्तः, 7. हस्तः, 8. रसः, 9. बसन्तः, 10. असुरः, 11. कुसुमः, 12. अनसुवा, 13. हसति, 14. दिशासूचकः, 15. विसर्जनम्।

2. संस्कृत शब्दकोश अभ्यास (संस्कृत शब्दकोश में अक्षर-क्रम आधारित प्रश्न)

प्रस्तावना

संस्कृत शब्दकोश (कोश) के *वर्णक्रम* को विद्यार्थियों के लिए सरल एवं बोधगम्य बनाने हेतु नीचे प्रश्नों की एक रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इन प्रश्नों के अभ्यास से छात्र *कोशीय क्रम* (dictionary order) को भली-भाँति समझ सकेंगे तथा उन्हें संस्कृत कोश-ग्रंथों में शब्दों की खोज में सुविधा प्राप्त होगी।

प्रश्न- शब्दकोश में "आकार" शब्द पहले आएगा या "आकृति" ?

उत्तर - आकार शब्द पहले आएगा ।

प्रश्न- शब्दकोश में "कथङ्कारम्" शब्द पहले आएगा या कथञ्चित् ?

उत्तर - "कथङ्कारम्" शब्द पहले आएगा

Q. शब्दकोश में "नयनम्" पहले आएगा या "नारी"?

A. "नयनम्" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "उद्यानम्" पहले आएगा या "उदधिः"?

A. "उदधिः" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "देवः" पहले आएगा या "देशः"?

A. "देशः" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "कर्म" पहले आएगा या "कर्कश"?

A. "कर्कश" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "मित्रम्" पहले आएगा या "मृदु"?

A. "मित्रम्" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "गुरुः" शब्द पहले आएगा या "गुर्वी"?

A. "गुरुः" शब्द पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "प्रकाशः" पहले आएगा या "प्रकर्षः"?

A. "प्रकर्षः" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "सत्यः" पहले आएगा या "सत्यम्"?

A. "सत्यः" पहले आएगा।

संकेत- कण्ठभूषा में कथम्भूत में (कण्ठभूषा) । कनिष्ठ- कन्दु में (कनिष्ठ) तुरीय - तुरीप (तुरीप)

दैनिक उपयोग के हिन्दी शब्दों के संस्कृत रूप

🏠 घर में उपयोग होने वाले शब्द

हिन्दी	संस्कृत

- ---------- - |---------- -
- घर गृहम् / आवासः
- दरवाज़ा द्वारम्
- खिड़की वातायनम् / गवाक्षः
- दीवार भित्तिः
- कुर्सी आसन्दी / पीठिका
- मेज़ / टेबल उत्पीठिका
- बिस्तर / पलंग - पर्यङ्कः / शय्या
- तकिया उपधानम्
- अलमारी कपाटिका
- पंखा व्यजनम्
- दीपक दीपः

🍽️ **भोजन से संबंधित शब्द**

- हिन्दी | संस्कृत
- ---------- -| ---------- -
- खाना भोजनम् / आहारः
- जल / पानी - जलम् / अंबुः / तोयम्
- दूध दुग्धम्
- दही दधि
- चावल तण्डुलाः
- रोटी रोटिका
- सब्जी शाकम्
- फल फलम्
- नमक लवणम् / सैन्धवम्

👫 रिश्ते और लोग

- हिन्दी | संस्कृत
- ---------- - |---------- -
- पिता जनकः / पिताः -
- माता मातरः
- भाई भ्राता
- बहन भगिनी
- पुत्र पुत्रः

- पुत्री पुत्री / तनया -
- आदमी नरः / पुरुषः -
- स्त्री नारी / स्त्री

🗓️ समय व दिनचर्या

- हिन्दी | संस्कृत
- ---------- -| ---------- -
- दिन दिवसः
- रात रात्रिः
- सुबह प्रातःकालः / उषा
- शाम सायंकालः
- घड़ी घटिका
- समय समयः
- सप्ताह सप्ताहः / सप्ताहः

🎒 विद्यालय और पढ़ाई

- हिन्दी | संस्कृत
- ---------- -| ---------- -
- विद्यालय पाठशाला विद्यालयः
- पुस्तक पुस्तकम् / ग्रन्थः
- कक्षा कक्ष्या
- छात्र छात्रः
- अध्यापक शिक्षकः / आचार्यः
- कलम लेखनी
- कागज़ पत्रम्

शरीर के अंगों के नाम

🔹 **प्रतियोगिता का स्वरूप:**

1. **प्रतिभागी** एक-एक कर मंच पर आएँगे।
2. उन्हें लिखित एक-एक **संस्कृत शब्द** दिया जाएगा (या पहले से सूची दी जा सकती है)।
3. वे लिखित शब्द का **संस्कृत में उच्चारण करेंगे** – जैसे "जिह्वा"।
4. उसके साथ-साथ वे **उस अंग को छूकर या अभिनय कर प्रदर्शित** करेंगे – जैसे जीभ बाहर निकाल कर दिखाना।

इसी प्रकार इनसे पूछे जा सकते हैं। यथा-

सिर – शिरः/शीर्षम् । **माथा** – ललाटम् /मस्तकम् । **दिमाग** – मस्तिष्कः । **खोपड़ी** – कपालः । **चेहरा** – मुखः । **आँख** – नेत्रम् /लोचनम् /नयनम् /चक्षुः । **पलक** – पक्ष्मः । **भौंह** – भ्रूः । **गरदन** – ग्रीवाः । **जीभ** – जिह्वाः /रसना

। **मूँछ** – श्मश्रुः । **गला** – कण्ठः । **होंठ** – अधरम् । **ऊपरी होठ** – ओष्ठः । **निचला होठ** – अधरम् । **दाँत** – दन्तः । **बाल** – केशः/शिरोरूहः । **सफेद बाल** – पलितकेशः । **गाल** – कपोलः । नाक – नासिका, घ्राणम् । **कान** – कर्णः/श्रोतम् । जिगर – यकृतः । **भुजा** – बाहुः, भुजः । **हाथ** – करः/हस्तः/पाणिः । **कोहनी** – कूर्परः । **हाथ का अँगूठा** – अंगुष्ठः ।

प्रश्न- शरीर के किस अङ्ग को कूर्पर कहते हैं

उत्तर- कोहनी

इसी प्रकार अन्य अङ्गों के नाम पूछे जा सकते हैं।

सम्बन्धियों के नाम (हिन्दी से संस्कृत)

हिन्दी - संस्कृत

पिता -पिता/जनकः/ तातः, **माँ** - अम्बा/माता/जननी, **दादा (बाबा)** - पितामहः, **दादी (दाई)** पितामही **परदादी**– प्रपितामही **नाना**- मातामहः, **परनाना**- प्रमातामहः, **भाई**-भ्राता, **बड़ा भाई**-अग्रजः, **छोटा भाई**-अनुजः, **सगा भाई**-सहोदरः, **सौतेला भाई**-विमातृजः, **चचेरा भाई**-पितृव्यपुत्रः/पितृव्यजः

फलों के नाम

अनार (दाडिमम्), **अङ्गूर** (द्राक्षा, मृद्वीका, स्वाद्वी), **अमरूद** (आम्रलम्/बीजपूरम् दृढबीजम/पेरुफलम्) **आँवला** (आमलकम्/आम्रातकम्), **इलायची** (एला) **इमली** (अम्लिका) ककड़ी (कर्कटिका) **कच्चाफल** (शलाटुः), **कटहल** (पनसम्), **करौंदा** (करमर्दः), **किशमिश** (शुष्कद्राक्षा), **कचनार** (कोविदारम्), **खीरा** (त्रपुषम्), **फूट-ककड़ी** (उर्वारुकम्), **चिरौंजी** (प्रियालम्), **छुहारा** (शुष्कखर्जूरम्, क्षुधाहरम्) स्वविवेक से अन्य फलों के नाम पूछे।

पशुओं के नाम

ऊँट (क्रमेलकः, उष्ट्रः), काला हिरण (कृष्णसारः), एक वर्ष का बछड़ा (वष्कयः), कुत्ता (कुक्कुरः, सारमेयः), शिकारी कुत्ता (कालेयकः), खरगोश (शशः), गाय (धेनुः, गौः), गिलहरी (चिक्रोडः, काष्ठमार्जारः, वृक्षमार्जारः), घड़ियाल (ग्राहः) चीता (चित्रकः, शार्दूलः), तेन्दुआ (तरक्षः), बकरा (अजः, छागः), बन्दर (कपिः, शाखामृगः, कीशः, वानरः), बैल (बलीवर्दः, वृषभः), लङ्गूर (लाङ्गुलिः), हिरन (हरिणः, मृगः) हथिनी (करिणी, हस्तिनी), हाथी का बच्चा (कलभः, करिशावकः), लोमड़ी (लोमशा, लोमाली, लोमशः), भेड़ (मेषः, एडकः, ऊर्णायुः), भेड़िया (वृकः, ईहामृगः), बाघिन (व्याघ्री), नीलगाय (गवयः, वनधेनुः), कछुआ (कच्छपः, कूर्मः)

भोज्य एवं पेय पदार्थों के नाम

प्रश्न- मक्खन को संस्कृत में क्या कहते हैं?

नवनीतम् ।

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

अचार - सन्धितम्, आसुतम् । **अण्डा** - अण्डः, अण्डम् । **अदरक** - आर्द्रकम् । **अनाज**- अन्नम्, शस्यम्। **अरहर**– आढकी। **आटा**- चूर्णम्, पिष्टम् । **आलू**- आलुः ।**इमरती** - अमृती । **इमली**- तिन्तडीफलम् ।**इलायची**- एला । **ककड़ी** - कर्कटिका ।**कचनार**- काञ्चनारः ।**कचौड़ी**- कचौरिका, माषगर्भा, शष्कुली, पिष्टिका । **कचौरी** - पिष्टिका । **कढ़ी**- क्वथिता, तेमनम् । **कद्दू** - तुम्बी, अलाबुः

। **कलाकन्द** - कलाकन्दः । **केतली** - कन्दुः । **कॉफी**– कफघ्नी। **खट्टा**- अम्लम् । **खिचड़ी** - कृशरा, कृशरः । **खीर**- पायसम्, क्षीरान्नम्। **खीरा** - चर्भटिः ।**खोआ** - किलाटः ।**गुलाबजामुन** - दुग्धपूपिका । **गेहूँ**- गोधूमः । **घी**- घृतम्, आज्यम्, सर्पिः । **चटनी**– अवलेहः । स्वविवेक से अन्य नाम पूछे।

वृक्षों के नाम

छात्रों से वृक्षों का संस्कृत नाम पूछा जाय-

आम- आम्रः **बरगद** - वटः या पर्कटी **पीपल** - अश्वत्थः **नीम** - निम्बः **बांस**- वेतसः **देवदार** - देवदारुः या देववृक्षः **चीड़**- भद्रदारुः **चंदन**- चन्दनम् **पेड़** – वृक्षः, तरुः, **बरगद** – वटः, ताड़ – तालः, **खजूर**– खर्जूरम् खर्जुरा, भूमिखर्जूरिका, दुरारोहा, स्वादुमस्तका, **शीशम** – शिंशपा, **अशोक**– अशोकः, **सागौन**– किंशुकः, **गूलर** – उदुम्बरम्, प्लक्षः, **करञ्ज** – करञ्जः, **बबूल**– कण्टकवृक्षः, कोकरः, बर्बुरः, **इमली**– अम्लिका, तिंतिडी, **अखरोट** – अक्षोटः, **रेड़** – एरण्डः, **महुआ** – मधुकः, **सेमर** – शाल्मलिः ।

वस्त्रों के नाम

ऊनी - रांकवम्, ऊर्णम् । ओढ़नी – प्रच्छदपटः। ओभरकोट-वृहतिका। अंगरखा – अंगरक्षिका । अंगोछा-गात्रमार्जनी । कम्बल – कम्बलः । कपड़ा –वस्त्रम्, चीरम्, वसनम् । कोट-प्रावारः । कुरता - कञ्चुकः, निचोलः । गद्दा-तुलसंतरः । गलेबन्द / टाई – गलबन्धनांशुकम् । चादर – शय्याच्छादनम् । चोली – कंचुकी। जाँघिया – अर्धोरुकम् । टोपी – शिरच्छदः । धोती – अधोवस्त्रम् । पगड़ी – उष्णीषम् । परदा-यवनिका, तिरस्करिणी । पायजामा – पादयामः । पेटीकोट – अन्तरीयम् । पैंट – आप्रपदीनम् । बिछौना - शय्या, आस्तरणम् । मोजा - पादत्राणम्, रजाई - तूलिका, नीशारः । रुमाल – करवस्त्रम् । शेरबानी-प्राबारकम् । सलवार-स्यूतवरः । साड़ी-शाटिका । सूती - कार्पासम्, स्वेटर-ऊर्णावस्त्रम् ।

प्रचलित विदेशी शब्द का संस्कृत शब्द

विदेशी शब्द संस्कृत शब्द

Q: **अंगूठी** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: अङ्गुलीयकम्

Q: **अंग्रेज** का संस्कृत शब्द क्या है? A: आङ्ग्लः

Q: **अंग्रेजी** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: आङ्ग्लभाषा

Q: **अखबार** का संस्कृत पर्याय क्या है? A: समाचारपत्रम्

Q: **अगर** शब्द का संस्कृत शब्द? A: यदि

Q: **अदालत** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: न्यायालयः

Q: **अपील** का संस्कृत अनुवाद क्या है? A: पुनरावेदनम्

Q: **अमरूद** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: आम्रलम् / बीजपूरम् / दृढबीजम / पेरुफलम्

Q: **इरादा** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: मतिः

Q: **इशारा** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: सङ्केतः

Q: **ईख** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: इक्षु

Q: **ईमान** का संस्कृत शब्द? A: सत्यम्

Q: **उपन्यास** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: उपन्यासः

अंगूठी - अङ्गुलीयकम्, **अंग्रेज** - आङ्ग्लः, **अंग्रेजी** - आङ्ग्लभाषा, **अखबार** - समाचारपत्रम्, **अगर** - यदि, **अदालत** - न्यायालयः, **अपील** - पुनरावेदनम्, **अमरूद** - आम्रलम्/बीजपूरम्/दृढबीजम/पेरुफलम्, **अमरूद (वृक्ष)** - बीजपूरः, **अलमारी** - कपाटिका, **अस्पताल** - चिकित्सालयः/रुग्णालयः, **आईना** - दर्पणः, **आइस क्रीम** - पयोहिमम्, **आदमी** - मानवः/नरः/मनुष्यः, **आप** - भवान्, **आफ़त** - आपात्/दुर्घटना, **आबरू** - अभिमानः, **आमदनी** - आय, **आलू** - आलुकम्, **आवारा** - भ्रान्तः, **आसमान** - आकाशः/गगनम्, **इंडिया** - भारतम्, **इरादा** - मतिः, **इशारा** - सङ्केतः, **ईख** - इक्षु, **ईमान** - सत्यम्, **उपन्यास** - उपन्यासः, **उर्दू** - उर्दू, **उस्ताद** - गुरुः/शिक्षकः/निर्देशकः,

संख्या-ज्ञानम्

1. **प्रश्नः** '1' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः एकम्
2. **प्रश्नः** '5' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः पञ्च
3. **प्रश्नः** '10' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः दश
4. **प्रश्नः** '15' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः पञ्चदश
5. **प्रश्नः** '20' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः विंशतिः
6. **प्रश्नः** '25' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः पञ्चविंशतिः
7. **प्रश्नः** '30' को संस्कृत में क्या कहते हैं?
   उत्तरः त्रिंशत्

प्रश्न- पञ्च से लेकर नव तक संख्यावाची शब्द बोलिए-

उत्तर – पञ्च, षट्, सप्त, अष्टौ या अष्ट, नव ।

प्रश्न- षट् से लेकर एकादश तक संख्यावाची शब्द बोलिए-

उत्तर - षट्, सप्त, अष्टौ या अष्ट, नव, दश, एकादश ।

प्रश्न- दश से लेकर षोडश तक संख्यावाची शब्द बोलिए-

उत्तर - दश, एकादश, द्वादश, त्रयोदश, चतुर्दश, पंचदश, षोडश।

प्रश्न- नवनवतिःके पूर्व कौन संख्या आती है?

उत्तर – (अष्टनवतिः/ अष्टानवतिः)

संकेत- इसी प्रकार अन्य प्रश्न पूछने चाहिये।

प्रश्न- 10 संख्या का बाद एक शून्य लगाने पर संस्कृत में कौन सी संख्या बनती है?

उत्तर – संस्कृत में इसे कहा जाता है- **शतम्**

संकेत- संस्कृत में बड़ी संख्याओं के नाम इस प्रकार हैं:

शतम् (100) - सहस्रम् (1000) अयुतम् (10^4) लक्षम् (10^5) प्रयुतम् (10^6) कोटि (10^7) अर्बुदम् (10^8) अब्जम् (10^9) खर्वम् (10^10) निखर्वम् (10^11) पद्मम् (10^12) शंखम् (10^13) समुद्रम् (10^14) अंत्यम् (10^15) मध्यम् (10^16) परार्धम् (10^17)

हिन्दी से संस्कृत संस्कृत से हिन्दी पूछें-

संकेत- पञ्चविंशतिः – पचीस, षड्विंशतिः – छब्बीस, एकादश – ग्यारह, द्वादश – बारह, त्रयोदश – तेरह, चतुर्दश – चौदह, एकत्रिंशत् – इकतीस, द्वात्रिंशत् –बत्तीस, त्रयस्त्रिंशत्- तैंतीस, चतुस्त्रिंशत्- चौंतीस, पञ्चत्रिंशत् – पैंतीस, अष्टपञ्चाशत् (अष्टापञ्चाशत्) अठावन, नवपञ्चाशत्, ऊनषष्टिः या एकोनषष्टिः – उनसठ, षष्टिः – साठ, एकषष्टिः – इकसठ, द्वाषष्टिः (द्विषष्टिः) – बासठ, त्रयःषष्टिः (त्रिषष्टिः) - तिरसठ

रंगों के नाम

प्रश्न: सफेद रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: सफेद को संस्कृत में श्वेतः, शुक्लः, अर्जुनः, धवलः कहते हैं।

प्रश्न: हरे रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

प्रश्न: नीले रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: नीले को संस्कृत में नीलः कहते हैं।

सफेद वर्ण (श्वेतवर्णः) के पर्याय (13) –

शुक्लः (शुद्ध श्वेत), शुभ्रः (उज्ज्वल श्वेत), शुचिः (पवित्र सफेद), श्वेतः (सामान्य सफेद), विशदः (स्पष्ट उज्ज्वल), श्येतः (श्वेत का ही रूप), पाण्डरः (हलका सफेद), अवदातः (उज्ज्वल), सितः (चमकीला सफेद), गौरः (गौरवर्णी), अवलक्षः (कोमल उज्ज्वल), धवलः (धुले हुए जैसा), अर्जुनः (श्वेतवर्णी वृक्ष या रंग)।

पीतसंवलितशुक्लः (सफ़ेद में पीला मिश्रित रंग) –

हरिणः (हल्के रंग वाला), पाण्डुरः (मंद उज्ज्वल रंग), पाण्डुः (पीताभ सफेद)।

ईषद्धवलवर्णः (थोड़ा धूसर या मलिन सफेद) –

ईषत्पाण्डुः (थोड़ा फीका पीला सफेद), धूसरः (धूल-सा मटमैला)।

कृष्णवर्णः (काला रंग) और नीलवर्णः (नीला रंग) –

कृष्णः (गहरा काला), नीलः (नीला), असितः (अंधकारमय), श्यामः (नीलकाले रंग का), कालः (सम्पूर्ण काला),

श्यामलः (हलका श्याम), मेचकः (धूमिल गहरा रंग)।

पीतवर्णः (पीला रंग) –

पीतः (गहरा पीला), गौरः (हलका पीला), हरिद्राभः (हल्दी-जैसा पीला)।

सुवर्णवर्णः (हल्का पीला या भूरा, स्वर्ण के समान) –

सुवर्णः (सोने जैसा रंग)।

प्रश्न- रंग वाचक एक ऐसा संस्कृत का शब्द बोलिए, जिसमें त अक्षर लगा हो।।

सफेद = श्वेतः, शुक्लः, अर्जुनः, धवलः। **हरा** = पलाशः, हरितः। **बैंगनी** = धूमलवर्णः। **लाल** = रक्तवर्णः, लोहितः, रक्तः। **काला** = कालः, श्यामः, कृष्णः। **नारंगी** = नारङ्गवर्णः, कौसुम्भः, नारिङ्गः। **नीला** = नीलः। बैंगनी = धूमलवर्णः, धूम्रवर्णः, शोणः। **गुलाबी** = श्वेतरक्तः, पाटलः। **पीला** = हरिद्राभः, पीतः।

इसी तरह क अक्षर, न अक्षर आदि से पूछा जाय ।

समयवाचक शब्द

घड़ी = घटिका / घटिः

समय = समयः

बजे = वादनम्

घंटा = होरा

मिनट = निमेषः

सेकेन्ड = क्षणम्

पौने = पादोन

सवा = सपाद

साढे = सार्धम्

अधिक = अधिकम्

कम = न्यूनम् अथवा ऊनम्

01 से लेकर 12 बजे तक का समय पूछना

एक बजे = एकवादानम्

दो बजे = द्विवादनम्

तीन बजे = त्रिवादनम्

चार बजे = चतुर्वादनम्

12 बजे = द्वादशवादनम्

सवा (सपाद) का समय पूछना

(1) सवा बजे = सपाद-एकवादनम् (1 बजकर 15 मिनट)

(2) सवा दो बजे = सपाद-द्विवादनम् (2 बजकर 15 मिनट)

साढ़े (सार्ध) का समय पूछना-

(1) डेढ़ बजे = सार्ध-एकवादनम् (1 बजकर 30 मिनट)

(2) ढाई बजे = सार्ध-द्विवादनम (2 बजकर 30 मिनट

पौने (पादोन) का समय पूछना-

(1) पौन बजे = पादोन-एकवादनम् (12 बजकर 45 मिनट)

(2) पौने दो बजे = पादोन-द्विवादनम् (1 बजकर 45 मिनट)

अधिकम् और न्यूनम् या ऊनम् युक्त समय पूछना

(1) 2 बजकर 10 मिनट - दश अधिकम् द्विवादनम्

(2) 4 बजकर 25 मिनट - पंचविंशति अधिकं चतुर्वादनम्

पर्यायवाची शब्द (संस्कृत में)

प्रश्न- " शिक्षकः " इसका एक समानार्थक पद बोलें।

उत्तर - आचार्यः

प्रश्न- " सूर्यः" का एक पर्यायवाची पद बोलें।

उत्तर - आदित्यः

प्रश्न- संस्कृत का कोई दो पर्यायवाची बोलें।

उत्तर- भारती, अमरभारती, अमरवाणी, सुरभारती, सुरवाणी, गीर्वाणवाणी, गीर्वाणी, देववाणी, देवभाषा

प्रश्न- " नदी" का एक पर्यायवाची पद बोलें।

उत्तर – सरित्, पयस्विनी, निम्नगा, स्रोतस्विनी ।

प्रश्न - "मेघ" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – वारिद, जलद, पयोद ।

प्रश्न - "समुद्र" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – सागर, जलधि, पयोधि, वारिधि

प्रश्न - "हस्त" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – कर, पाणि ।

प्रश्न - "गो" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – सुरभि, धेनु, भद्रा ।

प्रश्न- "माता" इसका एक समानार्थक पद बोलें।

उत्तर – जननी, अम्बा ।

प्रश्न- "निशा" इसका एक समानार्थक पद बोलें।

उत्तर – रजनी, विभावरी, यामिनी, यामा ।

प्रश्न- "लोहित" इसका एक समानार्थक शब्द बोलें।

उत्तर – रक्त,

प्रश्न- "कमल" इसके दो समानार्थक शब्द बोलें।

उत्तर –पंकज, नीरज, जलज, पद्म, सरोज, पुण्डरीक, अरविन्द, इन्दीवर, शतदल ।

प्रश्न- "जल" के दो समानार्थक शब्द बोलें।

उत्तर – वारि, नीर, पय, अम्बु, उदक, सलिल

प्रश्न- "दुग्ध" के दो समानार्थक शब्द बोलें।

उत्तर – पयः, क्षीर, गोरस ।

प्रश्न - "वन" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – कानन, विटप, विपिन।

प्रश्न - "अश्व" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – हय, तुरंग, वाजी, घोटक, सैंधव।

संकेत-

रविवार – रविवासरः, भानुवासरः

सोमवार – सोमवासरः, इन्दुवासरः

मंगलवार – मङ्गलवासरः, भौमवासरः

बुधवार – बुधवासरः, सौम्यवासरः

गुरुवार – गुरुवासरः, बृहस्पतिवासरः

शुक्रवार – शुक्रवासरः, भृगुवासरः

शनिवार – शनिवासरः, स्थिरवासरः

विलोम शब्द (संस्कृत से संस्कृत)

प्रश्न- "उत्तीर्णः" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर - अनुत्तीर्णः

प्रश्न- "एकत्र" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर - सर्वत्र

प्रश्न- "रात्रिः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर –दिनम्, दिवसः

प्रश्न- "एकः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – अनेकः

प्रश्न- "निर्धनः" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – धनिकः

प्रश्न- "आकाशः" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – पातालम्

प्रश्न- "निर्बलः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – सबलः

प्रश्न- "सम्पन्नः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – विपन्नः

प्रश्न- "सहजः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

प्रश्न- "आग्रहः" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – दुराग्रहः

प्रश्न- "आकर्षणम्" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – विकर्षणम्

प्रश्न- "अगमः" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – सुगमः

प्रश्न- "अथ" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – इति

प्रश्न- "प्रेम" का विरुद्धार्थक शब्द बोलें।

उत्तर – घृणा

विरुद्धार्थक पद पूछने हेतु संकेत-

मृदुः (कठोरम्) स्वस्थः (अस्वस्थः) नीतिः (अनीतिः) धर्मः (अधर्मः) श्वेतः (कृष्णः) आदानम् (प्रदानम्) साक्षरः (निरक्षरः) अनुकूलः (प्रतिकूलः) उदयः (अस्तः) आगमनम् (गमनम्) उत्थानम् (पतनम्) क्रयः (विक्रयः) कृतज्ञः (कृतघ्नः) तीव्रम् (मन्दम्) प्रत्यक्ष (परोक्ष) पापम् (पुण्यम्) मित्रम् (शत्रुः) साकारः (निराकारः) सुलभः (दुर्लभः) अन्तः (वाह्य) जन्म (मृत्यु) उदीची (अवाची) सुरूपम् (कुरूपम्) प्राचीनम् (नवीनम्) भृत्यः (स्वामी) खिन्नम् (प्रसन्नम्) स्थूलः (सूक्ष्मः) मधुरम् (कटुः) प्रभातः (सायम्) चलम् (अचलम्) सुपुत्रः (कुपुत्रः) निजः (परः) प्रियम् (अप्रियम्) विद्वान् (मूर्खः) सत्यम् (असत्यम्) भयः (निर्भयः) एकः (अनेकः) अनुरक्तः (विरक्तः) आकुञ्चनम् (प्रसारणम्) ईषत् (अलम्) ऋजुः (वक्रम्) कृशः (स्थूलः) गुरुः (लघुः) देवः (दानवः) पृथुः (तनुः) रिक्तः (पूर्णम्)

3. ⏭ **अगला चरण – "**लिंग ज्ञान**"**

शब्द का लिंग

प्रश्न- संस्कृत में कितने लिंग होते हैं –

उत्तर- 3

प्रश्न- संस्कृत के तीनों लिंगों का नाम बताईये

उत्तर- पुंलिङ्ग, स्त्रीलिंग तथा नपुंसक लिंग ।

प्रश्न- बकः किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर - बकः पुल्लिंग शब्द है ।

प्रश्न- सुधा किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर - सुधा स्त्रीलिंग का शब्द है ।

प्रश्न- पिपीलिका किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर - पिपीलिका स्त्रीलिंग का शब्द है ।

प्रश्न- अङ्ग किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर - अङ्ग नपुंसक लिंग का शब्द है ।

प्रश्न- 'सूर्य' किस लिंग का शब्द है ?

पुंलिङ्ग शब्द - सूर्यः, अनुजः, विडाल, शुक, कृषक, हरित, पीत, पूर्वाह्ण, पक्षिणः, मोदकः, मधुमष्टः, पिण्डः,मिष्टपाकः, कृपाणः, हिमालय, कुडवः, पणः, भवान्, मुनि, पति, भानु, गुरु, महान्

स्त्रीलिंग शब्द - नासिका, सूची, मातुली, मातामही, भगिनी, तनू, विद्युत्, रात्रि, क्षितिः, जननी, दुग्धपूपिका, कूर्चिका, चक्रिका, सूचिका, भूमि, दिश्, एषा, मति, धेनुः, महती

नपुंसक लिंग शब्द - चित्र, पत्र, गीत, गृह, आम्र, पुष्प, कमल, तक्र, शरीर, विष, पाप, रूप, रसगोलक, नैमिषारण्यम्, संयावकम्, कुटुम्बक, वारि, जल, यशः, युद्ध, मित्र, ज्ञान, शरीर, निधान, जगत्, नाम, मनः, पयः, मधु

⏭ **अगला चरण –** "सर्वनाम शब्द"

सर्वनाम शब्द

प्रश्न- सः किस सर्वनाम शब्द का रूप है ?

उत्तर - तत् सर्वनाम शब्द का रूप है ।

वाक्य में सर्वनाम पद को पहचानना।

1. तव पुस्तकं कुत्र अस्ति?

   सर्वनाम पदः- **तव**

2. अहं विद्यालयं गच्छामि।

   सर्वनाम पदः- **अहं**

3. सः गुरुः आगच्छति।

   सर्वनाम पदः **सः**

4. एते जनाः क्रीडायाम् सम्मिलन्ति।

   सर्वनाम पदः **एते**

5. कस्य मित्रं आगतम्?

   सर्वनाम पदः **कस्य**

6. यदा त्वं आगमिष्यसि, तदा गृहम् शोभनम् भविष्यति।

सर्वनाम पद: **त्वं**

7. अस्माकं गृहम् अतीव सुन्दरम् अस्ति।

सर्वनाम पद: **अस्माकं**

8. उपवेशनं मम प्रियं।

सर्वनाम पद: **मम**

9. एषः बालकः पठनं करिष्यति।

सर्वनाम पद: **एषः**

10. किं वयं उद्यानं गच्छामः?

सर्वनाम पद: **वयं**

4. ✅ क्रियानुकृति **(अभ्यास / गतिविधि) को दर्शाने वाले संकेत व वाक्यांश**

🏁 **क्रियाओं की पहचान व प्रयोग का अभ्यास – क्रियानुकृति**

🌟 **उद्देश्य:**

विद्यार्थियों में संस्कृत क्रियापदों की पहचान, उच्चारण और भावभंगिमा के साथ प्रदर्शन की क्षमता विकसित करना।

"कुरु क्रियां संस्कृतेन!" (संस्कृत में क्रिया करो!)

🔹 **प्रतियोगिता का स्वरूप:**

1. **प्रतिभागी** एक-एक कर मंच पर आएँगे।
2. उन्हें एक-एक **संस्कृत क्रियापद** दिया जाएगा (या पहले से सूची दी जा सकती है)।
3. वे उस क्रिया का **संस्कृत में उच्चारण करेंगे** – जैसे "हसति"।
4. उसके साथ-साथ वे **उस क्रिया का अभिनय** भी करेंगे – जैसे हँसना दिखाना।
5. निर्णायक मण्डल उच्चारण तथा भावाभिव्यक्ति के आधार पर अंक देंगे।

क्रम | क्रियापद (धातु-रूप) | अर्थ (हिन्दी में)

क्रम | उत्तम पुरुष एकवचन (अहं रूप) | अर्थ (हिन्दी)

1	पठामि	मैं पढ़ता हूँ
2	गच्छामि	मैं जाता हूँ
3	हसामि	मैं हँसता हूँ
4	धावामि	मैं दौड़ता हूँ
5	रोदामि	मैं रोता हूँ
6	खादामि	मैं खाता हूँ
7	लिखामि	मैं लिखता हूँ
8	नृत्यामि	मैं नृत्य करता हूँ
9	गायामि	मैं गाता हूँ

10 जल्पामि मैं बड़बड़ाता हूँ / बात करता हूँ

वचन

प्रश्न- संस्कृत में कितने वचन होते हैं ? **उत्तर-** 3

प्रश्न- संस्कृत के तीनों वचनों का नाम बताईये ?

उत्तर - एकवचन, द्विवचन तथा बहुवचन ।

प्रश्न- जवनिका शब्द का प्रथमा द्विवचन का रूप बोलिए ? **उत्तर** - जवनिके

प्रश्न- "सिंहौ गर्जतः" इसे बहुवचन का वाक्य बनाकर बोलिए ? **उत्तर** - सिंहाः गर्जन्ति ।

प्रश्न- "गायकाः गायन्ति" इसे एकवचन का वाक्य बनाकर बोलिए ?

उत्तर - गायकः गायति ।

प्रश्न- "लता" शब्द के पंचमी बहुवचन का रूप बोलिए ?

उत्तर - लताभ्यः ।

प्रश्न- रामेण में कौन विभक्ति तथा वचन है ?

उत्तर - तृतीया विभक्ति, एकवचन ।

प्रश्न- रमायै में कौन विभक्ति तथा वचन ?

उत्तर - चतुर्थी विभक्ति, एकवचन ।

प्रश्न- मातरः का विभक्ति तथा वचन बोलिए।

उत्तर - प्रथमा विभक्ति, बहुवचन।

इसी प्रकार अन्य शब्दों में विभक्ति तथा वचन पूछें-

आत्मनाम् (षष्ठी बहुवचन), राज्ञा (तृतीया एकवचन), विदुषः (पुंलिंग में द्वितीया बहुवचन तथा पञ्चमी/षष्ठी एकवचन । नपुंसक लिंग में पञ्चमी/षष्ठी एकवचन), मात्रोः (पञ्चमी/षष्ठी), वाचे (चतुर्थी एकवचन), सरिति (सप्तमी एकवचन), दिशाम् (षष्ठी बहुवचन)

शब्द का लिंग तथा वचन

प्रश्न- एषः कः का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, एकवचन।

प्रश्न- एषा का इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - स्त्रीलिंग, एकवचन।

प्रश्न- एतौ कौ इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, द्विवचन।

प्रश्न- एते के इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - स्त्रीलिंग, द्विवचन।

प्रश्न- एतानि चित्राणि इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - नपुंसकलिंग, बहुवचन।

प्रश्न- केशाः का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, बहुवचन।

संकेत-

पुंलिंग शब्द-

सुधी, प्रधी, ग्रामणी, नी, यवक्री, सुधी, सुखी, ऊरु (जाँघ), जन्तु, मृत्यु, ऋतु, हेतु (कारण), तरु (वृक्ष), ऋतु, इषु (बाण), अंशु (किरण), वाहु, सेतु (पुल), सूनु (पुत्र), कटु, कर्तृ, पितृ, देवृ (देवर), भर्तृ, अध्येतृ, जेतृ, द्रष्टृ, पठितृ, स्तोतृ, होतृ, नेतृ ।

स्त्रीलिंग शब्द-

गति, शुद्धि ,भक्ति, रुचि, शक्ति, श्रुति, रुचि, स्मृति, शान्ति, नीति, रात्रि, जाति, मति, तनु, (शरीर) रेनु, (धूल) हनु (ठुड्डी), मातृ, यातृ (देवरानी) दुहुतृ (लड़की)।

नपुंसकलिंग शब्द-

मित्र, वन, अरण्य, मुख, कमल, कुसुम, पुष्प, नक्षत्र, पत्र, जल, गगन, शरीर, पुस्तक, ज्ञान, दारु, जानु, (घुटना) तालु, मधु ।

5. उच्चारण स्थान तथा शब्द ज्ञान

वर्णों के उच्चारण स्थान

प्रश्न - अ का उच्चारण स्थान क्या है ?

उत्तर - कण्ठ

प्रश्न- विसर्ग का उच्चारण स्थान क्या है

उत्तर - कण्ठ

प्रश्न- तवर्ग का उच्चारण स्थान क्या है

उत्तर - दन्त

प्रश्न- पवर्ग का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर –ओष्ठ

प्रश्न- "ष" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – मूर्धा

प्रश्न- "चवर्ग" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – तालु

प्रश्न- "ण" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – मूर्धा

प्रश्न- "ऋ" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – मूर्धा

प्रश्न- "ऐ" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – कण्ठ तालु

सङ्केत-

य (तालु) ल (दन्त) (कण्ठ – अ क ख ग घ ङ ह विसर्ग), (तालु – इ च छ ज झ ञ य श), (मूर्धा – ऋ ट ठ ड ढ ण र ष), (दाँत – लृ त थ द ध न ल स), (ओष्ठ – उ प फ ब भ म उपध्मानीय प, फ) (कण्ठ-तालु – ए ऐ) (कण्ठ-ओष्ठ – ओ औ) (मुख-नासिका – ङ ञ ण न म) (दन्त-ओष्ठ – व) (जिह्वामूल – जिह्वामूलीय क, ख) (नासिका – अनुस्वार)

इसी तरह अधोलिखित पद में आये वर्णों का उच्चारण स्थान पूछें-

काष्ठ, (क् + आ + ष् + ठ् + आ) यान, परिधान, पुस्तिका, सैनिक, नायक, पुरुष, सहयोग ।

वचन ज्ञान

वद (मध्यम पुरुष एकवचन), वदिष्यावः उत्तमपुरुष द्विवचन), वत्स्यथ (मध्यम पुरुष बहुवचन), दत्ताम् (प्रथम पुरुष द्विवचन), दद्युः (प्रथमपुरुष बहुवचन), कथयतम् (मध्यम पुरुष द्विवचन), कथयेम (उत्तम पुरुष बहुवचन), पश्येः (मध्यम पुरुष एकवचन), द्रक्ष्यतः (प्रथम पुरुष द्विवचन) अनयः (मध्यम पुरुष द्विवचन), नेष्यथः (मध्यमपुरुष द्विवचन), नयतात् (प्रथम/मध्यम पुरुष एकवचन), याचावहै (उत्तम पुरुष द्विवचन), अयाचे (उत्तम पुरुष एक वचन), तिष्ठेम (उत्तम पुरुष बहुवचन)

पुरूष ज्ञान

प्रश्न- संस्कृत में पुरुषों की कितनी संख्या है ?

उत्तर- 3

प्रश्न- संस्कृत के तीनों पुरुषों का नाम बताईये ?

उत्तर -प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा उत्तम पुरुष

प्रश्न- तत् किस पुरूष का शब्द है ?

उत्तर - तत् शब्द प्रथम पुरूष का शब्द है।

प्रश्न- अहम् किस पुरूष का पद है ?

उत्तर - अहम् उत्तम पुरूष का पद है।

विभक्ति की पहचान

प्रश्न- "मुनयः" किस शब्द का रूप है?

उत्तर- मुनि शब्द का बहुवचन

प्रश्न- "पितृ" शब्द का प्रथमा विभक्ति तीनों वचन का रूप बताइये?

उत्तर- पिता पितरौ पितरः

प्रश्न- "मक्षिके" किस शब्द का रूप है?

उत्तर- मक्षिका का द्विवचन

इसी तरह - प्रतिभागी (प्रथमा), अनेकानि (प्रथमा तथा द्वितीया), तानि (प्रथमा तथा द्वितीया), स्नानाय (चतुर्थी), बालकान् (द्वितीया), नायकम् (द्वितीया), सैनिकानाम् (षष्ठी बहुवचन), अश्वात् (पञ्चमी एकव.), याने (सप्तमी), त्वम् (प्रथमा)

संकेत - नर, मृग, वानर, सैनिक, चतुर, अश्व, घट, दिवस, वारि, कुल्या शब्द का प्रथमा, द्वितीया, तृतीया आदि विभक्ति का रूप पूछें।

विशेष्य और विशेषण ज्ञान

प्रश्न- श्वेतः अश्वः धावति में कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - श्वेतः विशेषण पद है ।

प्रश्न- चतुरः काकः जलं पिबति में कौन विशेष्य पद है ?

उत्तर - काकः विशेष्य पद है ।

प्रश्न- पुष्पं सुन्दरं अस्ति इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - पुष्पं विशेष्य तथा सुन्दरं विशेषण पद है ।

प्रश्न- अहं श्वेतम् अश्वं पश्यामि इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - अश्वं विशेष्य तथा श्वेतम् विशेषण पद है ।

प्रश्न- एतत् जलं पवित्रम् अस्ति इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - जलं विशेष्य तथा पवित्रम् विशेषण पद है ।

प्रश्न- पथिकः वृक्षस्य शीतलायां छायायां तिष्ठति इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - जलं विशेष्य तथा शीतलायां छायायां विशेषण पद है ।

प्रश्न- अहम् उष्णेन जलेन मुखं प्रक्षालयामि इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - जलेन विशेष्य तथा उष्णेन विशेषण पद है ।

प्रश्न- ते निर्बलान् पुरुषान् रक्षन्ति इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - पुरुषान् विशेष्य तथा निर्बलान् विशेषण पद है ।

इसी प्रकार अधोलिखित विशेष्य-विशेषण पूछें ।

कृष्णः पीतम् अम्बरं धरति। (विशेष्य- अम्बरम्, विशेषण- पीतम्)

कृष्णः पीतम् अम्बरं धरति। (विशेष्य- अम्बरम्, विशेषण- पीतम्)

महता उत्साहेन कार्यं कुरु। (विशेषण- महता, उत्साहेन - विशेष्यम्)

प्रचलितेषु सम्प्रदायेषु जैनधर्मः महत्त्वं भजते। (विशेष्य- सम्प्रदायेषु , विशेषण- प्रचलितेषु)

काकस्य वर्णः कृष्णः भवति। (विशेष्य- वर्ण , विशेषण- कृष्णं)

नौकां जलपूरितां दृष्ट्वा भीतः। (विशेष्य- नौकाम्, विशेषण- जलपूरितां)

संकेत-

शस्यश्यामलां धरित्रीम् । **धूलधूसरिताः बालकाः** । अये **पुण्ये** गङ्गे । **शुभा** भारतधरा । गङ्गायाः **गभीरे** नीरे । **विपुलेन** भुजद्वयेन । **निर्धनो** जनः धनमुपार्जितवान् । **प्रीताभ्यः** प्रकृतिभ्यः राजानः प्रतिप्रियमिच्छन्ति।

वाक्य में आये सर्वनाम पद को बतायें-

युष्माकं गृहं कुत्र अस्ति ? इस वाक्य में सर्वनाम पद कौन है?

उत्तर- युष्माकं

तस्य बालकस्य किं नाम अस्ति ? (तस्य)

यस्य चित्ते दया भवति, सः साधुः भवति । (यस्य, सः)

तस्मै बालकाय दुग्धं वितर । (तस्मै)

एतानि पुस्तकानि मह्यं यच्छ । (एतानि, मह्यं)

कः तस्यां नगर्यां कः अवसत् ? (तस्यां, कः)

कस्मिंश्चिद् नगरे एकः ब्राह्मणः वसति स्म। (कस्मिंश्चिद्, एकः)

कस्यचिद् नृपस्य हस्ती मरणासन्नः आसीत्। (कस्यचिद्)

सः तस्मै विप्राय धेनुं ददाति । (सः तस्मै)

कस्यचित् बालिकायै फलं यच्छ । (कस्यचित्)

निर्धनो जनः किञ्चिद् धनमुपार्जितवान् । (किञ्चिद्)

कश्चन चौरः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः । (कश्चन)

रक्षापुरुषः चौरोऽयमिति प्रख्याप्य कारागारे प्राक्षिपत् । (अयम्)

पर्यायवाची शब्द में लिंगगत या अर्थगत भिन्नता ज्ञात करना-

आपः, वारि, तोयम्, उदकम्, नीरम्, सलिलम्।

वाक्य में आये संख्यावाची पद को बतायें-

प्रश्न- चत्वारः सिंहाः भ्रमन्ति इस वाक्य में संख्यावाचक पद कौन है ?

उत्तर - चत्वारः संख्यावाचक पद है ।

प्रश्न- एका पिपीलिका याति इस वाक्य में संख्यावाचक पद कौन है ?

उत्तर - एका संख्यावाचक पद है ।

प्रश्न- षट् दिनानि वर्षा अभवत्। (उत्तर - षट्)

प्रश्न- षोडशवर्षीयः बालकः दशमकक्षायां पठति। (षोडशवर्षीयः, दशमकक्षायां)

प्रश्न- एको ना विंशतिः नार्यः वापीं स्नातुमितो गताः। (एकः, विंशतिः)

प्रश्न- राष्ट्रध्वजे त्रयः वर्णाः भवन्ति। (त्रयः)

प्रश्न- नवविंशतिः के पश्चात् कौन सी संख्या आती है? (विंशतिः)

प्रश्न- एकोनविंशतिः के पहले कौन सी संख्या आती है? (अष्टादश)

प्रश्न- त्रिंशत् त्रिंशतिः इनमें से कौन संख्यावाचक पद क्या शुद्ध है? (त्रिंशत्)

प्रश्न- एकपक्षे पञ्चदश अहोरात्रं भवति इसमें संख्यावाची पद कौन सा है? (एकपक्षे, पञ्चदश)

प्रश्न- चतुर्विंशतिहोराभिः दिनमेकं भवति। यहाँ किस पद से संख्या का बोध हो रहा है? (चतुर्विंशतिहोराभिः)

6. क्रिया एवं धातु ज्ञान

तिङन्त (क्रिया-पद) की पहचान

अधोलिखित में से भविष्यत् काल तथा वर्तमान काल में रूप बताइये

1. गमिष्यथ → गच्छथ
2. आगमिष्यामि → आगच्छामि
3. श्रोष्यानि → शृणोमि
4. वदिष्यसि → वदसि
5. पठिष्यति → पठति
6. लेखिष्यतः → लिखतः
7. पास्यसि → पिबसि
8. खादिष्यन्ति → खादन्ति
9. द्रक्ष्यावः → पश्यावः
10. नेष्यामि → नयामि

अधोलिखित का लङ् लकार (भूतकाल) तथा लृट् लकार (भविष्यत् काल) में रूप बताइये

धातु (अर्थ)	**लङ्**	**लृट्**
दा-ददाति (देता है)-	अददात्	दास्यति
क्री- क्रीणाति (खरीदता है)-	अक्रीणात्	क्रेष्यति,
चुर् - चोरयति (चुराता है)-	अचोरयत्	चोरयिष्यति
रुद – रोदिति (रोता है)-	अरोदत्, अरोदीत्	रोदिष्यति
ब्रू-ब्रवीति (बोलता है)-	अब्रवीत्	वक्ष्यति
दुह् - दोग्धि (दुहता है)-	अधोक् अधोग्	धोक्ष्यति
इष्- इच्छति (चाहता है)-	ऐच्छत्	एषिष्यति
हन् - हन्ति (मारता है)-	अहन्	हनिष्यति
प्रच्छ – पृच्छति (पूछता है)-	अपृच्छत्	प्रक्ष्यति
हस्- हसति (हँसता है)-	अहसत्	हसिष्यति
पच्– पचति (पकाता है)-	अपचत्	पक्ष्यति
नृत्– नृत्यति (नाचता है)-	अनृत्यत्	नृत्स्यति, नर्तिष्यति
घ्रा - जिघ्रति (सूंघता है)-	अजिघ्रत्	घ्रास्यति
हृ-हरति (हरता है)-	अहरत्	हरिष्यति
कथ्- कथयति (कहता है)-	अकथयत्	कथयिष्यति
नी–नयति (ले जाता है)-	अनयत्	नेष्यति
जागृ- जागर्ति (जागता है)-	अजागरत्	जागरिष्यति

अधोलिखित वाक्य में आये लट् लकार को लङ् लकार में। लृट् को लट् लकार में तथा लङ् को लृट् लकार में परिवर्तित करें।

इदं चित्रं पाठशालायाः वर्तते ।

1. लट् लकार को लङ् लकार में:

इदं चित्रं पाठशालायाः अवर्तत।

2. लृट् लकार को लट् लकार में:

(यदि मूल वाक्य में लृट् लकार होता तो इसे बदलते, परंतु यहां लृट् नहीं है।)

3. लङ् लकार को लृट् लकार में:

इदं चित्रं पाठशालायाः भविष्यति।

पिपीलिका बालकः च गृहं गच्छतः।

मुदितमनाः मनुष्याः आगच्छन्ति ।

बालकः भोजनं खादति।

मम पुत्रः क्रीडति।

तत्र पुष्पं पतति।

शिष्यः पाठं स्मरति।

शिष्यः उपाध्यायं कथयति।

पदों तथा वाक्यों में सर्वनाम का अभिज्ञान एवं परिवर्तन

प्रश्न- "गजः चलति" में गजः के स्थान पर तत् सर्वनाम पद का प्रयोग कर वाक्य बनाएँ

उत्तर - सः चलति।

प्रश्न- "युष्मद्"सर्वनाम का प्रथमा बहुवचन रूप बताइए ?

उत्तर – यूयम्

प्रश्न –"केन" पद किस सर्वनाम शब्द का रूप है ?

उत्तर – किम्

प्रश्न - "येषाम्" पद किस सर्वनाम का रूप है ?

उत्तर – यत्

प्रश्न – "सर्वेषाम्" किस सर्वनाम के किस लिङ्ग का रूप है ?

उत्तर – सर्व पुंल्लिंग/नपुंसकलिंग

प्रश्न- "बालिकाः पठन्ति", यहाँ बालिकाः के स्थान पर एतत् सर्वनाम पद का प्रयोग करके वाक्य बनाएँ?

उत्तर – एताः पठन्ति ।

प्रश्न- "छात्रौ क्रीडतः", यहाँ छात्रौ के स्थान पर किम् सर्वनाम का प्रयोग करके वाक्य बनाएँ?

उत्तर – कौ क्रीडतः

प्रश्न- यत् सर्वनाम स्त्रीलिङ्ग षष्ठी विभक्ति बहुवचन में क्या रूप होगा ?

उत्तर – यासाम्

अव्यय से सम्बन्धित प्रश्न

प्रश्न - दो शब्दों को जोड़ने वाला कोई 2 योजक अव्यय शब्द बताइये।

उत्तर - तथा, एवं, च

प्रश्न - समय सूचक 3 अव्यय शब्द बताइये।

उत्तर - अद्य, ह्यः, प्रातः, सायं

प्रश्न - प अक्षर से आरंभ होने वाला 2 अव्यय शब्द बोलिए।

उत्तर - प्रायस्, प्रातः, प्रवाहुकम्, प्रवाहिका, प्रताम् , प्रशान्, प्रतान्, पिधानम्।

वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद को पहचानना

प्रश्न - अहमपि कदलीफलं खादामि इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - अहम् (सर्वनाम) अपि (अव्यय) खादामि (क्रिया)

प्रश्न – एतौ बालकौ कुत्र गच्छतः इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - एतौ (सर्वनाम) कुत्र (अव्यय) गच्छतः (क्रिया)

प्रश्न – मम पुरतः भगवद्गीता रामायणं च स्तः इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - मम (सर्वनाम) पुरतः च (अव्यय) स्तः (क्रिया)

प्रश्न - रामायणी कथा एव तुभ्यं रोचते इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - तुभ्यं (सर्वनाम) एव (अव्यय) रोचते (क्रिया)

प्रश्न - वयं सगौरवं तान् हि स्मरामः इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - वयं तथा तान् (सर्वनाम) हि (अव्यय) स्मरामः (क्रिया)

⏭ **अगला चरण –** "वाक्य निर्माण"

अधोलिखित तिङन्त पद से वाक्य निर्माण करें

गच्छति, श्रृणोमि, वदामि, पठामि, लिखसि, पिबावः, खादामः, पश्यामि, नयावः, इच्छामि, चलसि, वसामि, जानामि, पृच्छामि, पचामि, उपविशानि, ददासि, कथयामि, हसथः, स्मरसि, नृत्यतः, गायामि, तिष्ठन्ति, क्षिपति, अटन्ति, भ्रमामः, नमति, जीवामि, यच्छामि, धावामः, रोदथ, क्रीड़ामि, क्रीणामि, तरामि, धारयामि, बिभेमि, अस्मि ।

1. गच्छति – बालकः विद्यालयं गच्छति।
2. श्रृणोमि – अहं संगीतं श्रृणोमि।
3. वदामि – अहं सत्यं वदामि।
4. पठामि – अहं संस्कृतं पठामि।
5. लिखसि – त्वं पत्रं लिखसि।
6. पिबावः – आवाम् दुग्धं पिबावः।
7. खादामः – वयं फलानि खादामः।

8. पश्यामि – अहं चित्रं पश्यामि।

9. नयावः – आवां बालकं विद्यालयं नयावः।

10. इच्छामि – अहं पुस्तकं इच्छामि।

अधोलिखित शब्दों से एक - एक वाक्य बनायें-

वक्तुम्, गन्तुम्, कर्तुम्, खादितुम्, पातुम्, पठितुम्, श्रोतुम्, पठितुम्, दातुम्, मेलितुम्, द्रष्टुम्। अह्ना । मुहुर्मुहुः । अन्यथा । यावत् । तदा । हे मित्र! एषा । जननी । ज्वरपीडिता । त्वया । पुरा । अस्याः सेवा । प्रायशः । कर्तव्या । तव । किं । त्वम् । न । प्राध्यापकः । तर्हि । तव । जीवनस्य । त्रयः । लहरीणाम् । वेगेन । तयोः । जलेन । नाविकः । सम्भ्रमेण महाशय ! । भवान् । प्राध्यापकः । नौकां बाहुभ्याम् । महाभारतस्य । कति । दिनानि । त्रयोदशे । भारतस्य विजयाय । तस्मिन् । सः । सा । काले । सतीशस्य । मित्र ।

उदाहरण-

ते किमपि वक्तुम् इच्छन्ति ।

श्यामः हरिद्वारं गन्तुम् इच्छति ।

अहं गंगास्नानं कर्तुम् इच्छामि ।

त्वं मोदकं खादितुम् इच्छसि ।

तौ दुग्धं पातुम् इच्छतः ।

गीता गीतं श्रोतुम् इच्छति ।

राधा संस्कृतं पठितुम् गुरुकुलं गच्छति ।

निर्णायकः पारितोषिकं दातुम् इच्छति ।

अहं भवन्तं मेलितुम् इच्छामि ।

आवां हिमालयं द्रष्टुम् इच्छावः ।

इसी तरह- (प्रष्टुम् = पूछना), (लेखितुम् = लिखना), (हसितुम् = हँसना), (आगन्तुम् = आना), (नेतुम् = ले जाना), (आनेतुम् = लाना), (जेतुम् = जीतना), (गातुम् = गाना), (धावितुम् = दौड़ना), (रचयितुम् = बनाना), (निवसितुम् = रहना) प्रतिग्रहीतुम् (स्वीकार करने हेतु) आदि तुमुन् प्रत्ययान्त धातु से वाक्य बनायें ।

प्रश्न - अधोलिखित अव्यय युक्त पदों से वर्तमान काल, भूत काल तथा भविष्यत् काल का वाक्य बनायें।

सहसा । विना । नाना । स्वस्ति । अलम् । अन्यत् । मृषा । मिथ्या । पुरा । प्रायः । साकम् । सार्धम् । नमः । धिक् । अथ । आम् । च । वा । एव । एवम् । नूनम् । चेत् । चण् । हे । भोः । अये ।

उत्तर- तौ सहसा कार्यं न कुरुतः। सः सहसा अब्रवीत् आदि।

प्रश्न - अधोलिखित अव्यय के साथ प्रश्नवाचक वाक्य बनायें ।

सहसा । विना । नाना । अलम् । अन्यत् । मृषा । मिथ्या । प्रायः । साकम् । सार्धम् । च । वा । एव । एवम् । नूनम् । हे । भोः । अये ।

उदाहरण- भोः किं इयं पाठशाला अस्ति ?

निर्देश- अधोलिखित प्रश्नवाचक वाक्य बोलकर छात्रों से वाक्य में उत्तर प्राप्त किया जाय ।

प्रश्न- नाना कार्याणि केन करणीयानि ?

उत्तर- नाना कार्याणि बालकैः करणीयानि। (इसी प्रकार के वाक्य बनेंगे।)

प्रश्न- कस्मै स्वस्ति ?

प्रश्न- केन विना सुखं न प्राप्यते ?

प्रश्न- प्रमादेन कथम् अलम् ?

प्रश्न- मया सार्धं कः क्रीडिष्यति ?

तिङन्त पद से वाक्य निर्माण (1 से 5 पद तक का)

प्रश्न- अचिन्तयत् से दो पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - सः अचिन्तयत् ।

प्रश्न- मोचयिष्यति से दो पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - धाता मोचयिष्यति ।

प्रश्न- इच्छसि क्रिया पद के साथ अव्ययुक्त तीन पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - त्वं किं इच्छसि ।

नोट- एकतिङ्वाक्यम् नियम के अनुसार सभी तिङन्त पद वाक्य है। पठति खेलति खादति पचति, अगच्छत् पठिष्यति आदि ।

प्रश्न- एक पद वाला वाक्य बोलिए ।

उत्तर - लिखति ।

प्रश्न- "एकदा" इस सुबन्त पद को लेकर 4 पद का एक वाक्य बनायें-

उत्तर - एकदा काकः आकुलः आसीत् ।

प्रश्न- "वस्त्रपुटके" इस सुबन्त पद को लेकर 5 पद का एक वाक्य बनायें-

उत्तर - वस्त्रपुटके रूप्यकाणां अतीव आवश्यकता आसीत् ।

प्रश्न- प्रथमा तथा चतुर्थी विभक्ति युक्त तीन पदों वाला एक वाक्य बनायें.-

उत्तर - गीता शिष्याय पुस्तकं ददाति।

प्रश्न- तैः सह युक्त चार पदों वाला एक वाक्य बनायें.-

उत्तर - तैः सह सम्मेलने आसम् ।

वाक्य बनायें-

केचन ईदृशाः ...। अयोध्यायां रामस्यैव ...। प्रेरणया सदा ... । .. रामसम्बन्धीनि नाटकानि अभिनीयन्ते। तस्मिन्नवसरे समागतेभ्यः ..। एकः अपरः एव... । तत्रत्ये विद्यालये ..। पशुपक्षिणां सुरक्षायै ... ।

प्रश्नवाचक शब्द से वाक्य बनायें

कः, किम्, कदा, कथम्, किमर्थम्, केन, कुत्र ।

1. कः –

- कः बालकः पठति? - कः शिक्षकः अस्माकं विद्यालये अस्ति?

2. किम् –

- किम् त्वं खादसि? - किम् गृहे अस्ति?

3. कदा –

- कदा सः विद्यालयं गच्छति? - कदा वर्षा आगच्छति?

4. कथम् –

- कथम् त्वं इदं कर्म कुर्वसि? - कथम् गजः नदीं तरति?

5. किमर्थम् –

- किमर्थम् त्वं क्रीडितुम् इच्छसि? - किमर्थम् सः नगरं गच्छति?

6. केन –

- केन मार्गे वाहनं गच्छति? - केन बालकः पुस्तकम् लिखति?

7. कुत्र –

- कुत्र रामः वसति? - कुत्र मेघाः विद्यन्ते?

अधोलिखित उपसर्गयुक्त लट् लकार के क्रियापद को लङ् लकार में परिवर्तित कर वाक्य निर्माण करें-

लट् लकार	**लङ् लकार**
आगच्छति	आगच्छत्
प्रतिगच्छति	प्रत्यगच्छत्
अनुगच्छति	अन्वगच्छत्
अवगच्छति	अवागच्छत्
निर्गच्छति	निरगच्छत्
अवचिनोति	अवाचिनोत्
निश्चिनोति	निरचिनोत्

विरुद्धार्थक उपसर्ग के प्रयोग से वाक्य निर्माण-

अधोलिखित धातु में विरुद्धार्थक उपसर्ग लगाकर वर्तमान काल का वाक्य बनायें।

जैसे- या धातु में **आङ्** तथा **नि** उपसर्ग लगाकर **आयाति** तथा **नायाति** क्रियापद बना। इससे इस तरह का वाक्य बनाया गया है-

वर्षा समयेन आयाति।

सः नित्यं समयेन नायाति।

गम्,- गच्छति, आगच्छति, निर्गच्छति

अधोलिखित क्रियापद से उपसर्गयुक्त वाक्य का निर्माण करें

उदाहरण - अत्र बालिकाः उत्साहेन परिक्रीडन्ति । ताः अध्ययनाय एव अनुगच्छन्ति ।

आगच्छति, प्रक्षालयामि, क्रीडन्ति, गुञ्जन्ति, नयन्ति, पतन्ति, धावन्ति, गच्छामः, गच्छथ, भवन्ति,

कूजति, सिञ्चति, विकसतः, लभ्यन्ते।

1. आगच्छति - अत्र अध्यापकः पाठशालां प्रति आगच्छति।
2. प्रक्षालयामि - गृहं स्वच्छतायै जलेन प्रक्षालयामि।
3. क्रीडन्ति - बालकाः उत्साहेन परिक्रीडन्ति।
4. गुञ्जन्ति - वृक्षेषु पिकाः माधुर्यपूर्णं स्वरं संगुञ्जन्ति।
5. नयन्ति - सेवकाः ग्रन्थालयं प्रति पुस्तकैः सह आनयन्ति।
6. पतन्ति - पतङ्गाः दीपस्य ज्योत्यः समीपे आपतन्ति।
7. धावन्ति - वीरः रणभूम्याम् अतिधावन्ति।
8. गच्छामः - अस्माकं परिवारः तीर्थं प्रति संगच्छामः।
9. गच्छथ - यूयं क्रीडायै उद्यानं प्रति प्रतिगच्छथ।
10. भवन्ति - साधवः सदा धर्मे स्थिताः अभिभवन्ति।

शब्द शुद्धि (पंडित परीक्षा)

सर्वनाम किम् शब्द तथा अव्यय किम् शब्द में क्या अन्तर है?

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
किं ताः मधुराणि फलानि ?	किं तानि मधुराणि फलानि ?
सः कदलीफलं अस्ति।	तत् कदलीफलं अस्ति।
एतत् करवस्त्राणि सन्ति।	एतानि करवस्त्राणि सन्ति।
सः गुरुं नमन्ति	सः गुरुं नमति ।
मधु पुष्पेषु भवसि	मधु पुष्पेषु भवति ।
त्वं कथं क्रीडति?	त्वं कथं क्रीडसि ?
यूयं कुत्र गच्छति?	यूयं कुत्र गच्छथ ?
फलानि के ददाति?	फलानि के ददति?
अहं गच्छति ।	अहं गच्छामि ।
इदं महा वैज्ञानिकः अस्ति	अयं महान् वैज्ञानिकः अस्ति ।
अहं दधिः खादन्ति ।	अहं दधि खादामि ।
पूरनौ कुत्र क्रीडन्ति ?	पूरनौ कुत्र क्रीडतः ?
पूरनौ कुत्र क्रीडन्ति ?	पूरनौ कुत्र क्रीडतः ?
अहम् अत्र स्थामि ।	अहम् अत्र तिष्ठामि ।